WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

विकासोन्मुख देशों में प्रति व्यक्ति आय

*365. श्री सिद्धेश्वर प्रसाद : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सी द्वारा किये गये उस अध्ययन की ओर उनका ध्यान दिलाया गया है, जिसमें कहा गया है, कि विकासोन्मुख देशों में प्रति व्यक्ति आय में कम वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो उसके मुख्य निष्कर्ष क्या हैं; और

(ग) इस अध्ययन को ध्यान में रखते हुए देश में आर्थिक प्रगति को तेज करने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं और भविष्य में इस मामले में क्या कदम उठाने का विचार है ?

योजना, पेट्रोलियम और रसायन तथा समाज कल्याण मंत्री (श्री अशोक मेहता) : (क) अन्तर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी द्वारा इस प्रकार का कोई विशेष अध्ययन किया गया है, इस बात की मुझे कोई जानकारी नहीं है।

(ख) और (ग) . प्रश्न नहीं उठता।

Fertiliser Industry

*367. **Shri P. P. Esthose:**
Shri Viswanatha Menon:
Shri K. M. Abraham:
Shri Umanath:
Shri P. Gopalan:

Will the Minister of Petroleum and Chemicals be pleased to state the total installed and utilised capacity of the Fertiliser Industry in India during 1965-66 and 1966-67?

The Minister of Planning, Petroleum & Chemicals and Social Welfare (Shri Asoka Mehta): The installed capacities during 1965-66 and 1966-67 were 425,200 and 585,000 tonnes of nitrogen respectively. The actual production was 233,317 tonnes and 307,936 tonnes of nitrogen respectively. The installed capacity for phosphatic fertilisers was 236,830 tonnes of P_2O_5 during 1965-66 and 1966-67 against which the production was 111,205 and 142,000 tonnes of P_2O_5 respectively.

पूर्व अफ्रीकी देशों में रहने वाले भारतीयों के पास विदेशी मुद्रा

*368. श्री ओ० प्र० त्यागी : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को पता है कि पूर्व अफ्रीकी देशों में रहने वाले भारतीयों की लाखों रुपये के मूल्य की विदेशी मुद्रा इंगलैण्ड और स्विटजरलैंड के बैंकों में जमा है ;

(ख) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिये कोई प्रयास किये हैं कि यह धन राशि विदेशी बैंकों के बजाय भारतीय बैंकों में जमा की जाये; और

(ग) किन कारणों से विदेश स्थित भारतीय अपना धन भारतीय बैंकों के बजाय ब्रिटेन के बैंकों में जमा करते हैं ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) सरकार के पास ऐसी कोई सूचना नहीं है क्योंकि ये भारतीय विदेशी मुद्रा नियंत्रण के प्रयोजन के लिये प्रनिवासी व्यक्ति (नान-रेजीडेण्ट्स) हैं और हमारे नियम उन पर लागू नहीं होते।

(ख) ऐसी रकमों को भारत भेजने के लिये प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से सरकार ने कुछ कदम उठाये हैं।

(ग) कारणों का अनुमान लगाना कठिन है। साधारण रूप से यही कहा जा सकता है कि बहुत से लोग अपनी विदेशी मुद्रा ब्रिटेन के बैंकों में रखना पसंद करते हैं।